मंगलवार

03 नवम्बर 2026

● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 282
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

इस्तीफे की धमकी, माफी से इनकार

◆माफी पर अड़े मंत्री ने धामी सरकार के सामने खड़ा किया सियासी संकट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राजनीति में कब कौन किसके लिए मुसीबत बन जाए, इसका कोई ठिकाना नहीं। उत्तराखंड की धामी सरकार में इन दिनों कुछ ऐसा ही दिलचस्प सियासी नजारा दिखाई दे रहा है। मामला मशहूर गायक दलेर मेहंदी से जुड़ा है, लेकिन सुर्खियों में हैं धामी सरकार के वरिष्ठ मंत्री सुबोध उनियाल। दलेर मेहंदी प्रकरण पर मंत्री ने जिस दोटूक अंदाज में कहा कि वह इस्तीफा देना पसंद करेंगे, लेकिन माफी नहीं मांगेंगे, उसने उत्तराखंड की राजनीति में नया बवाल खड़ा कर दिया है।

अब सवाल उठ रहा है कि असली दिलेर कौन है? नाम तो दलेर मेहंदी का है, लेकिन इस विवाद में दिलेरी दिखाने का दावा सुबोध उनियाल कर रहे हैं। फर्क इतना है कि दलेर मेहंदी का नाम संगीत की दुनिया में चर्चित है और सुबोध उनियाल का बयान सियासी गलियारों में गूंज रहा है। मंत्री की यह बेबाकी है, राजनीतिक जिद है या फिर अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की कवायद? फिलहाल इतना तय है कि उन्होंने ऐसा दांव खेला है, जिससे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने असहज स्थिति पैदा हो गई है।

सुबोध उनियाल का बयान सामान्य राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं है। एक वरिष्ठ मंत्री का सार्वजनिक रूप से यह कहना कि वह इस्तीफा दे देंगे, लेकिन माफी नहीं मांगेंगे, सीधे तौर पर राजनीतिक प्रतिष्ठा का सवाल खड़ा करता है। मंत्री ने अपनी तरफ से लकीर खींच दी है। अब पीछे हटना उनके लिए राजनीतिक कमजोरी माना जा सकता है और सरकार के लिए उनके रुख की अनदेखी करना आसान नहीं होगा। लेकिन यहां बड़ा सवाल यह है कि आखिर मंत्री किस बात पर इतने अडिग हैं? क्या यह वास्तव में सिद्धांतों और स्वाभिमान की लड़ाई है या फिर राजनीतिक परिस्थितियों में खुद को मजबूत दिखाने की कोशिश? राजनीति में बयान देना आसान है, लेकिन उस बयान की जिम्मेदारी उठाना कठिन। इस्तीफे की पेशकश करना और वास्तव में कुर्सी छोड़ देना, दोनों में बड़ा अंतर है।

इस प्रकरण ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने भी राजनीतिक परीक्षा खड़ी कर दी है। सुबोध उनियाल सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों में हैं। उनका सार्वजनिक रुख सरकार की सामूहिक छवि से अलग करके नहीं देखा जा सकता। यदि मुख्यमंत्री मंत्री के साथ खड़े होते हैं तो विपक्ष सरकार को घेरने का मौका तलाशेगा। यदि मंत्री के खिलाफ कोई कदम उठाया जाता है तो सरकार के भीतर राजनीतिक संदेश जाएगा कि सार्वजनिक रूप से अपनी बात पर अड़ना भारी पड़ सकता है। यानी मामला अब केवल दलेर मेहंदी और सुबोध उनियाल के बीच नहीं रह गया है। यह मुख्यमंत्री के राजनीतिक प्रबंधन और



◆दलेर मेहंदी प्रकरण में सुबोध उनियाल का अड़ियल रुख या राजनीतिक साहस
◆माफी मांगने से बेहतर इस्तीफा देने की बात, मंत्री ने गेंद सीएम के पाले में डाली

मंत्रिमंडल के भीतर सामंजस्य की भी परीक्षा बन गया है। धामी के सामने सवाल है कि वह मंत्री की दिलेरी को सम्मान देते हैं या सरकार की साख को प्राथमिकता देते हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प राजनीतिक पहलू पंजाब और उत्तराखंड का चुनावी संयोग है। दोनों राज्यों में आने वाले समय में चुनावी गतिविधियां तेज होने वाली हैं। ऐसे में एक राज्य का विवाद दूसरे राज्य की राजनीति में भी मुद्दा बन सकता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि उत्तराखंड में भाजपा सत्ता में है। दोनों राज्यों में राजनीतिक दल एक-दूसरे के घटनाक्रम को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने का कोई मौका नहीं छोड़ेंगे। पंजाब में भाजपा के लिए यह प्रकरण राजनीतिक सवाल खड़े करने का अवसर बन सकता है, वहीं उत्तराखंड में कांग्रेस इसे धामी सरकार की कार्यशैली से जोड़कर हमला तेज कर सकती है। कांग्रेस पहले ही 'भूमि बचाओ-धामी हटाओ' अभियान के जरिए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने जा रही है। अब उसे सरकार को घेरने के लिए एक और राजनीतिक मुद्दा मिल गया है।

विपक्ष के लिए किसी सरकार का आंतरिक विवाद हमेशा राजनीतिक अवसर लेकर आता है। कांग्रेस पूछ सकती है कि आखिर ऐसा कौन सा मामला है, जिसमें मंत्री माफी मांगने के बजाय इस्तीफे की बात कर रहे हैं? क्या सरकार में जवाबदेही का कोई अर्थ बचा है? क्या मंत्री का व्यक्तिगत स्वाभिमान सरकार की प्रतिष्ठा से बड़ा हो गया है? हालांकि कांग्रेस के लिए भी यह परीक्षा होगी कि वह इस प्रकरण को केवल बयानबाजी तक सीमित रखती है या इसे जवाबदेही और शासन व्यवस्था के बड़े सवाल से जोड़ पाती है। चुनावी राजनीति में मुद्दे बहुत होते हैं, लेकिन जनता के बीच वही मुद्दा असर करता है, जिसे विपक्ष तथ्यों के साथ उठाता है।

फिलहाल इस सियासी मुकाबले में हर कोई दूसरे की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। सुबोध उनियाल ने माफी से इनकार कर दिया है, अब निगाहें मुख्यमंत्री धामी पर हैं। विपक्ष मौके की तलाश में है और भाजपा संगठन अपने राजनीतिक नुकसान-फायदे का आकलन कर रहा है। नाम दलेर मेहंदी का, दिलेरी सुबोध उनियाल की और इम्तिहान पुष्कर सिंह धामी का! सवाल यह नहीं कि कौन ज्यादा दिलेर है, सवाल यह है कि राजनीतिक स्वाभिमान की इस लड़ाई में किसकी कुर्सी सुरक्षित रहती है और किसकी सियासी जमीन खिसकती है। पंजाब में चुनावी ऊंट किस करवट बैठेगा, यह वहां की जनता तय करेगी, लेकिन उत्तराखंड में इस प्रकरण ने धामी सरकार के सामने एक नया सियासी सवाल जरूर खड़ा कर दिया है। आखिर इस्तीफे की बात कहकर माफी से इनकार करना दिलेरी है या सत्ता के भीतर अपनी शर्तें मनवाने की कोशिश? इसका जवाब आने वाले दिनों में मिलेगा।

दो बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में दो लोगों की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रामपुर रोड पर बेलबाबा के पास बीती देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवारों में से दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में एक ग्राम विकास अधिकारी भी शामिल हैं। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। घायल का सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय (एसटीएच) में उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर स्थित रम्पुरा निवासी राजीव गुप्ता (29) सोमवार को अपने बहनोई प्रेम शंकर के साथ हल्द्वानी आए थे। दोनों राजीव की भांजी भावना की



शादी के कार्ड रिश्तेदारों और परिचितों को बांटने पहुंचे थे। कार्ड बांटने के बाद शाम करीब सात बजे दोनों बाइक से रुद्रपुर लौट रहे थे। इसी दौरान रामपुर रोड पर बेलबाबा के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों पर सवार लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में कालाढूंगी के वार्ड नंबर छह निवासी सौरभ बिष्ट (29) की मौके पर ही मौत हो गई। सौरभ पेशे से ग्राम विकास अधिकारी थे। वहीं, रुद्रपुर निवासी राजीव गुप्ता ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। राजीव के बहनोई प्रेम शंकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें एसटीएच में भर्ती कराया गया है।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। राजीव गुप्ता की मौत की खबर मिलते ही परिजन एसटीएच पहुंच गए। परिवार के लोगों ने बताया कि राजीव की भांजी भावना की शादी आगामी 15 नवंबर को होनी है। इसी सिलसिले में वह हल्द्वानी में रिश्तेदारों और परिचितों को शादी के कार्ड बांटने आए थे। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन कार्ड बांटकर लौटते समय हुए हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एसपी सिटी हरबंस सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हुई है। दोनों के शव मोर्चरी में रखवा दिए गए हैं, जबकि घायल व्यक्ति का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। दोनों बाइकों की भिड़ंत किन परिस्थितियों में हुई, इसकी वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

भारत का बड़ा ऊर्जा प्लान

दुनिया इस समय केवल युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों के संकट से नहीं गुजर रही, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा का सवाल भी वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती बनकर खड़ा है। पश्चिम एशिया में तनाव, समुद्री व्यापार मार्गों पर अस्थिरता, तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव तथा आपूर्ति श्रृंखला में अनिश्चितता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जिस देश की ऊर्जा व्यवस्था दूसरों पर निर्भर होगी, उसकी आर्थिक मजबूती भी बाहरी परिस्थितियों की मोहताज बनी रहेगी। भारत के सामने यह चुनौती और बड़ी है, क्योंकि दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था होने के बावजूद कच्चे तेल की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करना पड़ता है। ऐसे में भारत का नया ऊर्जा रोडमैप केवल विकास की योजना नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा और रणनीतिक आत्मनिर्भरता का भी सवाल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में 500 गीगावाट अतिरिक्त गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता विकसित करने और बिजली पारेषण व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में देश की प्रतिबद्धता दोहराई है। सरकार का जोर घरेलू तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने, ऊर्जा भंडारण क्षमता के विस्तार, आयात के स्रोतों में विविधता लाने और सौर, पवन, जैव ईंधन तथा परमाणु ऊर्जा जैसे विकल्पों को मजबूत करने पर है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी स्पष्ट कर चुके हैं कि आने वाले समय में भारत को किसी एक ऊर्जा स्रोत पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी ऊर्जा रणनीति अपनानी होगी। यह रणनीति समय की मांग है, लेकिन इसकी सफलता घोषणाओं से नहीं, जमीन पर दिखाई देने वाले परिणामों से तय होगी। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में मामूली उछाल भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर डालता है। इसका सीधा प्रभाव परिवहन लागत, खाद्य वस्तुओं की कीमतों, उद्योगों के उत्पादन खर्च और महंगाई पर पड़ता है। सरकार को कई बार उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए वित्तीय बोझ उठाना पड़ता है। यानी अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाला संकट अंततः भारतीय परिवारों के बजट तक पहुंच जाता है। यही वजह है कि ऊर्जा सुरक्षा को अब केवल पेट्रोलियम मंत्रालय या बिजली क्षेत्र का विषय मानना पर्याप्त नहीं है। यह देश की आर्थिक स्थिरता, औद्योगिक विकास और आम आदमी की क्रय शक्ति से जुड़ा मुद्दा है। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जून 2025 में देश की कुल स्थापित विद्युत क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत तक पहुंचना इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। सौर ऊर्जा की बढ़ती क्षमता, पवन ऊर्जा परियोजनाएं, इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार और जैव ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देना ऊर्जा के परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखते हैं। लेकिन यह भी समझना होगा कि स्थापित क्षमता और वास्तविक ऊर्जा उपलब्धता में अंतर होता है। सूरज और हवा पर निर्भर ऊर्जा उत्पादन को चौबीसों घंटे भरोसेमंद बनाने के लिए बड़े स्तर पर बैटरी भंडारण, आधुनिक बिजली ग्रिड और पारेषण नेटवर्क की जरूरत है। इन व्यवस्थाओं के बिना हरित ऊर्जा का विस्तार अपनी पूरी क्षमता हासिल नहीं कर पाएगा। ऊर्जा सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पक्ष रणनीतिक भंडारण भी है। भारत के पास कच्चे तेल का रणनीतिक भंडार मौजूद है, लेकिन वैश्विक मानकों के मुकाबले इसे और मजबूत करने की आवश्यकता है। संकट के समय केवल दूसरे देशों से तेल खरीदने की क्षमता पर्याप्त नहीं होती, बल्कि जरूरत पड़ने पर कई सप्ताह तक घरेलू मांग पूरी करने की व्यवस्था भी होनी चाहिए। तेल के साथ प्राकृतिक गैस और रसोई गैस के भंडारण पर भी गंभीरता से काम करना होगा। सरकार को इस दिशा में दीर्घकालिक निवेश और स्पष्ट समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। ऊर्जा के मामले में संकट आने के बाद तैयारी करने के बजाय संकट से पहले तैयारी करना ही दूरदर्शी नीति है। हालांकि ऊर्जा आत्मनिर्भरता का अर्थ यह नहीं कि भारत रातोंरात जीवाश्म ईंधन से दूरी बना ले। देश की औद्योगिक जरूरतें, परिवहन व्यवस्था, कृषि और घरेलू ऊर्जा मांग अभी भी बड़े पैमाने पर पारंपरिक ईंधन पर निर्भर हैं। इसलिए संक्रमण की प्रक्रिया व्यावहारिक और संतुलित होनी चाहिए। कोयला, तेल और गैस की मौजूदा जरूरतों को पूरा करते हुए स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों का विस्तार करना होगा। परमाणु ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन और ऊर्जा भंडारण जैसी तकनीकों में निवेश बढ़ाना होगा। इसके साथ ही घरेलू अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और ऊर्जा उपकरणों के विनिर्माण को प्रोत्साहन देना जरूरी है, ताकि भारत केवल सौर पैनल और बैटरियां लगाने वाला देश न रहे, बल्कि इन तकनीकों के उत्पादन और वैश्विक आपूर्ति का भी प्रमुख केंद्र बने। इस पूरी रणनीति में एक बड़ा सवाल आम उपभोक्ता का भी है। ऊर्जा परिवर्तन का खर्च कहीं बिजली, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के महंगे बिलों के रूप में जनता पर न डाल दिया जाए। स्वच्छ ऊर्जा का लाभ तभी व्यापक होगा, जब उसकी पहुंच गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों तक भी सुनिश्चित हो। ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा, कृषि पंपों का सौरकरण, स्थानीय स्तर पर ऊर्जा उत्पादन और बिजली वितरण व्यवस्था में सुधार को प्राथमिकता देनी होगी। भारत के लिए एक और चुनौती ऊर्जा कूटनीति की है। रूस, पश्चिम एशिया, अमेरिका और अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना उसकी जरूरत है। किसी एक देश या क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता संकट के समय रणनीतिक कमजोरी बन सकती है। इसलिए आयात के स्रोतों का विस्तार, समुद्री आपूर्ति मार्गों की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सहयोग को नई प्राथमिकता देनी होगी। दरअसल, वैश्विक ऊर्जा संकट भारत के लिए चेतावनी भी है और अवसर भी। चेतावनी इसलिए कि आयात पर अत्यधिक निर्भरता किसी भी समय आर्थिक विकास की रफ्तार को प्रभावित कर सकती है। अवसर इसलिए कि भारत अपनी ऊर्जा व्यवस्था को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप पुनर्गठित कर सकता है। लेकिन इसके लिए केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, निवेश की निरंतरता, परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन और नीतिगत स्थिरता जरूरी है। भारत को अब ऊर्जा सुरक्षा के मामले में प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति अपनानी होगी। केवल 500 गीगावाट का लक्ष्य घोषित कर देना पर्याप्त नहीं होगा। सवाल यह है कि बिजली कितनी सस्ती होगी, कितनी निर्बाध मिलेगी, घरेलू उत्पादन कितना बढ़ेगा और अंतरराष्ट्रीय संकट के समय देश कितने दिनों तक अपनी जरूरतें स्वयं पूरी कर सकेगा। ऊर्जा आत्मनिर्भरता का वास्तविक पैमाना यही होगा।

'पहाड़' की जमीन पर सियासत 'गर्म'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ सियासी संघर्ष अब नए मुद्दों और नए नारों के साथ तेज होने लगा है। भाजपा जहां सत्ता में हैट्रिक लगाने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है, वहीं कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार के खिलाफ जमीन के सवाल को बड़ा राजनीतिक हथियार बनाने का फैसला किया है। कांग्रेस ने प्रदेश में चार नवंबर से भूमि बचाओ-धामी हटाओ अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। इस अभियान के जरिए पार्टी सरकारी जमीनों के कथित बंदरबांट, भूमि आवंटन में अनियमितताओं और जमीनों के सौदों में भ्रष्टाचार के आरोपों को जनता के बीच ले जाने की तैयारी में है।

कांग्रेस का यह अभियान महज सरकार के खिलाफ एक विरोध कार्यक्रम नहीं, बल्कि 2027 के चुनाव से पहले राजनीतिक विमर्श बदलने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी ने नारे में ही अपना चुनावी संदेश स्पष्ट कर दिया है। जमीन बचाने की अपील के साथ मुख्यमंत्री को हटाने की मांग जोड़कर कांग्रेस ने सीधे सत्ता को निशाने पर लिया है। पार्टी की कोशिश है कि भूमि का मुद्दा केवल प्रशासनिक या कानूनी बहस तक सीमित न रहे, बल्कि इसे उत्तराखंड की अस्मिता, संसाधनों और भविष्य से जोड़कर राजनीतिक आंदोलन का रूप दिया जाए।

कांग्रेस ने अभियान को प्रदेशव्यापी स्वरूप देने के लिए अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और गुरदीप सप्पल को नैनीताल, विधायक मनोज तिवारी और पूर्व विधायक गोविंद सिंह कुंजवाल को अल्मोड़ा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा को रानीखेत तथा विधायक तिलकराज बेहड़ और सुमित हृदयेश को हल्द्वानी की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह भीमताल में भुवन कापड़ी और आदेश चौहान, देहरादून और ऋषिकेश में हरक सिंह रावत, विकासनगर में प्रीतम सिंह, मसूरी में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल तथा टिहरी में विधायक विक्रम सिंह नेगी और लखपत बुटोला को जिम्मेदारी सौंपी गई है। हरिद्वार में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत विधायकों के साथ अभियान का नेतृत्व करेंगे। रानीपुर में फुरकान अहमद और वीरेंद्र जाती को जिम्मेदारी दी गई है।

◆भूमि बचाओ-धामी हटाओ से चुनावी रण का आगाज
◆कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा वार नेताओं को सौंपी कमान
◆सरकारी जमीनों के कथित बंदरबांट को बनाएगी बड़ा मुद्दा
◆कांग्रेस पाटी ने की धामी सरकार की घेराबंदी की तैयारी

उत्तराखंड में जमीन का सवाल लंबे समय से संवेदनशील रहा है। राज्य गठन के बाद से ही पहाड़ की जमीन, बाहरी निवेश, औद्योगिक गतिविधियों, कृषि भूमि के संरक्षण और स्थानीय लोगों के अधिकारों को लेकर बहस होती रही है। बदलती आर्थिक परिस्थितियों और तेजी से बढ़ते भूमि कारोबार ने इस बहस को और तीखा किया है। कांग्रेस अब इसी संवेदनशीलता को राजनीतिक मुद्दे में बदलना चाहती है। पार्टी का आरोप है कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में सरकारी जमीनों के आवंटन और उपयोग में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। निवेश और विकास के नाम पर जमीनों के निस्तारण की प्रक्रिया पर भी कांग्रेस सवाल उठा रही है। पार्टी पहले भी इस संबंध में आरोपपत्र जारी कर जांच की मांग कर चुकी है। अब अभियान के जरिए इन आरोपों को विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचाने की तैयारी है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और तथ्यों के सामने आने के बाद ही उनकी वास्तविकता तय होगी।

इस अभियान की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जाएगी कि कितने कार्यक्रम आयोजित हुए या कितने नेता मंच पर दिखाई दिए। असली सवाल यह है कि क्या कांग्रेस जमीन के मुद्दे को आम लोगों की रोजमर्रा की चिंताओं से जोड़ पाएगी? क्या पहाड़ों में जमीन और पलायन, ग्रामीणों के अधिकार, स्थानीय युवाओं के रोजगार तथा शहरी क्षेत्रों में अनियंत्रित भूमि कारोबार जैसे सवालों पर कोई स्पष्ट राजनीतिक विकल्प पेश कर पाएगी? कांग्रेस के सामने अपनी अंदरूनी चुनौतियां भी हैं। प्रदेश में कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी के बावजूद पार्टी लंबे समय से

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

2027 की जंग से पहले कांग्रेस का 'मंथन'

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। उत्तराखंड में 2027 के विधानसभा चुनाव की उलटी गिनती के बीच कांग्रेस ने अपनी चुनावी तैयारियों को निर्णायक गति देने की कवायद शुरू कर दी है। प्रदेश में भाजपा को सत्ता से बेदखल कर वापसी करने की रणनीति पर कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व अब सीधे निगरानी कर रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तराखंड के वरिष्ठ नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में चुनावी रणनीति, संगठन की मजबूती, जनहित के मुद्दों और प्रदेश में पार्टी की राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में कांग्रेस संगठन के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत तथा प्रदेश सह प्रभारी मनोज यादव और सुरेंद्र शर्मा मौजूद रहे। खास बात यह रही कि बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत शामिल नहीं हुए। उनकी गैरमौजूदगी को लेकर प्रदेश के राजनीतिक और कांग्रेस के आंतरिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं। हालांकि उनकी अनुपस्थिति के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

दरअसल, कांग्रेस के लिए उत्तराखंड का 2027 विधानसभा चुनाव प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गया है। राज्य गठन के बाद से सत्ता परिवर्तन की परंपरा रही है, लेकिन 2022 में भाजपा ने लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी कर इस राजनीतिक मिथक को तोड़ दिया था। अब कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा की इसी चुनावी बढ़त को तोड़ने की है। पार्टी जानती है कि

◆खरगे व राहुल गांधी ने उत्तराखंड के नेताओं को दिया जीत का मंत्र
◆एकजुटता, संगठन विस्तार और आक्रामक चुनावी अभियान पर जोर
◆एक्शन प्लान बनाने के निर्देश, हदरा की गैरमौजूदगी ने बढ़ाई चर्चाएं

केवल सत्ता विरोधी माहौल के भरोसे चुनाव नहीं जीता जा सकता। इसके लिए मजबूत संगठन, विश्वसनीय नेतृत्व, स्पष्ट चुनावी एजेंडा और बूथ स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ताओं की जरूरत होगी।

बैठक में केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश के नेताओं से राज्य के राजनीतिक हालात और संगठन की तैयारियों का फीडबैक लिया। सूत्रों के अनुसार, हाईकमान ने चुनावी अभियान को गति देने, जनहित से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरने और संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने पर जोर दिया। नेताओं को एक महीने का कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। दीपावली के बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के उत्तराखंड दौरे की संभावनाओं को भी चुनावी अभियान के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कांग्रेस आगामी चुनाव में कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पलायन, महंगाई और पहाड़ों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को प्रमुख मुद्दा बनाने की तैयारी में है। प्रदेश में जमीनों की खरीद-फरोख्त और कथित अनियमितताओं को लेकर भी पार्टी सरकार को घेरने की रणनीति बना रही है। चार नवंबर को भ्रष्टाचार और जमीन संबंधी मामलों को लेकर प्रदेश में राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी भी इसी अभियान का हिस्सा है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भाजपा सरकारों पर जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने का आरोप लगाते हुए उत्तराखंड को सुरक्षित, संवेदनशील और जवाबदेह सरकार देने का संकल्प जताया है।

हालांकि कांग्रेस के सामने भाजपा से मुकाबले के अलावा अपनी अंदरूनी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। प्रदेश में पार्टी के पास कई अनुभवी और प्रभावशाली चेहरे हैं। हरीश रावत, प्रीतम सिंह, गणेश गोदियाल, यशपाल आर्य और हरक सिंह रावत जैसे नेताओं की अपनी-अपनी राजनीतिक ताकत और समर्थक आधार है। लेकिन इन नेताओं की सामूहिक ताकत को एक चुनावी दिशा में इस्तेमाल करना कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। हरीश रावत की बैठक से अनुपस्थिति ने एक बार फिर नेतृत्व के बीच समन्वय को लेकर सवाल खड़े किए हैं। हालांकि किसी एक बैठक में किसी नेता की गैरमौजूदगी को पार्टी में मतभेद का निर्णायक प्रमाण

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

उत्तराखंड योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की अल्मोड़ा जिला इकाई गठित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। उत्तराखंड योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन (यूकेवाईएसए) की अल्मोड़ा जिला इकाई का गठन अल्मोड़ा योगा एंड वेलनेस स्टूडियो में आयोजित बैठक में किया गया। बैठक में जिले में योगासन खेलों के प्रचार-प्रसार, विकास और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। बैठक में वरिष्ठ योग साधक जशोद सिंह बिष्ट गूगल मीट के माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम का संचालन डॉ. महेंद्र सिंह मेहरा ने किया। सर्वसम्मति से जिला इकाई के संरक्षक मंडल में जशोद सिंह, रूप सिंह और डॉ. महेंद्र सिंह मेहरा को शामिल किया गया। जिला कार्यकारिणी में डॉ. गिरीश सिंह अधिकारी को अध्यक्ष, अजय सिंह सिराड़ी को उपाध्यक्ष, कमलेश पाठक को सचिव, कविता खनी को महिला उपाध्यक्ष, हेमालता वर्मा को कोषाध्यक्ष और प्राशु भैंसोडा को उपसचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा दीपक सिंह रावत, सूरज बिष्ट, कविता बिष्ट और अंकित बिष्ट को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. गिरीश सिंह अधिकारी ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अल्मोड़ा में योगासन खेलों के विकास, युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने और योगासन को खेल के रूप में जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

चम्पावत में 84 सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

चम्पावत(आरएनएस)। जिले के चम्पावत, लोहाघाट, टनकपुर, बनबसा, पाटी और बाराकोट सहित प्रमुख कस्बों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी। पुलिस विभाग 84 स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों का रखरखाव एक साल तक कराएगा। इसके लिए ई-निविदा प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसपी रेखा यादव ने बताया कि अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था की निगरानी के लिए विभिन्न मदों से स्थापित कैमरों का सीएएमसी की तकनीकी शर्तों के अनुसार रखरखाव कराया जाएगा।

विद्यार्थियों को कानून के अधिकारों के प्रति किया जागरूक

रुद्रपुर(आरएनएस)। सुरक्षित बचपन अभियान के तहत सिटी कॉन्वेंट स्कूल में छात्र-छात्राओं को बाल सुरक्षा और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि सिविल जज आशीष तिवारी ने विद्यार्थियों को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) के विभिन्न प्रावधानों और बाल अधिकारों की जानकारी दी। कोतवाली खटीमा की उपनिरीक्षक संतोषी नेगी ने गुड टच और बैड टच के बीच अंतर समझाया। इस दौरान स्कूल के एमडी प्रवीण उपाध्याय, तिलक उपाध्याय, प्रधानाचार्य शुभ्रा सक्सेना, विमल कुमार, मीरा देवी, पिंकी राणा, लाल सिंह, उदय सिंह, विनोद कुमार, शैलेंद्र उप्रेती, अफजाल, विनोद जोशी, आस्था मिश्रा, सूरज बोरा रहे।

प्रत्याशी को चुनाव जिताने का यूकेडी कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

रुद्रपुर(आरएनएस)। उत्तराखंड क्रांति दल ने कैलाश सिंह पांगती को नानकमत्ता विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी के झनकट स्थित कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने पांगती का स्वागत किया। इस दौरान उन्हें चुनाव में जीत दिलाने का संकल्प लिया गया। पार्टी ने कार्यकर्ताओं को संगठन की जिम्मेदारियां भी सौंपीं और नए सदस्यों को सदस्यता दिलाई। बैठक में पांगती को प्रत्याशी बनाए जाने पर शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया गया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें चुनाव में जीत दिलाने के लिए पूरी ताकत झोंकने की बात कही। इस दौरान त्रिभुवन सिंह थिरपोला को ब्लॉक अध्यक्ष, धीरज चंद्र गहतोड़ी को युवा संगठन का ब्लॉक अध्यक्ष, राज जेठी को नगर अध्यक्ष झनकट और आशीष कुमार को नगर महामंत्री झनकट बनाया गया।बैठक में योगेश मनोला, श्रवण कुमार, आयुष राणा, रामकुमार सिंह राणा, योगेश बोरा, अनीश राणा, तन्मय राणा, आशीष कुमार, विनीत सिंह, भूपेंद्र लाल, महेंद्र सिंह, कैलाश पोखरिया और संजय बोहरा समेत कई लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान नानकमत्ता विधानसभा क्षेत्र प्रभारी शिव शंकर भाटिया, राज्य निर्माण सेनानी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष जोध सिंह मनोला, उपाध्यक्ष होशियार सिंह जेठी, कार्यालय प्रभारी दुर्गा सिंह सामंत और मीडिया प्रभारी मनोज सिंह मेहता समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दिल्ली रूट से हटाई गईं रोडवेज की 10 बीएस-4 बसें

रुड़की(आरएनएस)। दिल्ली में ग्रैप (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) के तहत प्रतिबंध लागू होने का असर रुड़की रोडवेज डिपो पर भी पड़ने लगा है। दिल्ली रूट पर संचालित होने वाली रुड़की डिपो की 10 बीएस-4 बसों के संचालन पर रोक लग गई है। इसके चलते ये बसें फिलहाल डिपो में खड़ी हैं। ऐसे में दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में आवागमन करने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ना तय है। खासकर दीपावली पर अपने घर लौटने वाले यात्रियों को बसों की कमी के चलते परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रुड़की रोडवेज बस अड्डे से प्रतिदिन दिल्ली रूट पर करीब 18 बसों का संचालन किया जाता था। इनमें 10 बसें बीएस-4 और आठ बसें सीएनजी की हैं। दिल्ली में एक अक्टूबर से ग्रैप के प्रतिबंध लागू होने के बाद बीएस-4 बसों के प्रवेश पर रोक लग गई है।

अब दिल्ली में केवल निर्धारित मानकों वाली बीएस-6 और सीएनजी बसों को ही संचालन की अनुमति है। इसके चलते रुड़की डिपो की 10 बीएस-4 बसें दिल्ली रूट पर नहीं जा पा रही हैं। बसों का संचालन प्रभावित होने से पहले ही दिन यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। वहीं, त्योहारी सीजन के चलते आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। दीपावली पर बड़ी संख्या में लोग दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से अपने घर लौटते हैं। ऐसे में बसों की संख्या कम होने से यात्रियों को बसों का इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि, रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल आठ सीएनजी बसों से दिल्ली रूट पर सेवा जारी रखी जा रही है। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर इन्हीं बसों के अतिरिक्त फेरे लगवाए जाएंगे।

रुड़की रोडवेज की एजीएम अमिता सैनी ने बताया कि फिलहाल आठ सीएनजी बसों का संचालन दिल्ली के लिए किया जा रहा है। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर बसों से डबल चक्कर लगवाकर सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही अतिरिक्त बसों की व्यवस्था के लिए मुख्यालय को भी अवगत करा दिया गया है। रुड़की डिपो की 10 बीएस-4 बसों के दिल्ली रूट से हटने के बाद निगम ने इनका उपयोग दूसरे मार्गों पर करने की तैयारी की है। बसों को डिपो में खड़ा रखने के बजाय अधिकारियों ने लंबे समय से प्रभावित और नए रूटों पर संचालित करने का निर्णय लिया है। इससे स्थानीय यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के तहत रुड़की से टनकपुर के लिए दो बसें संचालित की जाएंगी। बसों की कमी के चलते यह मार्ग पिछले कई वर्षों से बंद पड़ा था। इसके अलावा हल्द्वानी रूट पर भी बसों की संख्या बढ़ाई जा रही है। अब रुड़की से हल्द्वानी के लिए तीन बसें संचालित होंगी। मुजफ्फरनगर रूट पर भी दो बसें बढ़ाई गई हैं। वहीं, रुड़की से एम्स के लिए भी दो बसों का संचालन शुरू किया गया है। इन बसों का किराया और दूरी ई-टिकटिंग मशीनों में भी फीड कर दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि इन बसों के नए रूटों पर संचालन से लंबे समय से बसों की कमी झेल रहे स्थानीय यात्रियों को राहत मिलेगी। साथ ही निगम की खड़ी बसों का भी बेहतर उपयोग हो सकेगा।

खेल-खेल में 200 बच्चों ने सीखे पढ़ाई के नए गुर

विकासनगर (आरएनएस)। राजकीय प्राथमिक विद्यालय कंडोली में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की ओर से बाल मेले का आयोजन किया गया। इसमें 200 से अधिक बच्चों ने खेल, मनोरंजक गतिविधियों और रचनात्मक प्रयोगों के माध्यम से पढ़ाई के नए गुर सीखे। डायट की प्राचार्य मंजू भारती ने मेले का शुभारंभ किया।

विभिन्न स्टॉल पर बच्चों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। विभागाध्यक्ष टीना मोहन ने कहा कि बाल मेले का उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़कर गतिविधियों और प्रत्यक्ष अनुभवों के माध्यम से सीखने का अवसर देना है। बच्चे जब स्वयं किसी गतिविधि में भाग लेते हैं तो विषयों को आसानी से समझते हैं और सीखी गई बातें लंबे समय तक याद रखते हैं।ऐसे आयोजन बच्चों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ पढ़ाई को आनंदमय बनाते हैं। इस दौरान विनीता सुयाल, राखी पांडे, ऋतु कुकरेती और अरुण थपलियाल मौजूद रहे।

लिफ्ट सिंचाई योजनाओं में चोरी के मामले आए सामने

उत्तरकाशी(आरएनएस)। नौगांव, पुरोला और मोरी क्षेत्र में संचालित लिफ्ट सिंचाई योजनाएं चोरों के निशाने पर हैं। इस सप्ताह नौगांव ब्लॉक की तीन और सिंचाई योजनाओं में चोरी का मामला सामने आया है। इनमें तुनालका, भंकोली और डामटा की लिफ्ट सिंचाई योजनाएं शामिल हैं। अक्तूबर में अब तक कुल 12 सिंचाई योजनाओं में चोरी हो चुकी है।

चोरों ने सिंचाई योजनाओं के पंप हाउस के ताले तोड़कर वहां रखी मशीनों में इस्तेमाल होने वाली तारें, मोटर और विद्युत उपकरण चोरी कर लिए। इससे सिंचाई योजनाओं के संचालन पर भी असर पड़ने की आशंका है। अक्तूबर प्रथम सप्ताह में ही चोरी की नौ घटनाओं का खुलासा हुआ था। इसके बाद तीन और योजनाओं को निशाना बनाए जाने से चोरी की कुल घटनाओं की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इनमें सात योजनाएं नौगांव ब्लॉक और पांच योजनाएं पुरोला ब्लॉक की है।नौगांव, पुरोला और मोरी ब्लॉक में लघु डाल खंड की कुल 25 लिफ्ट सिंचाई योजनाएं संचालित हैं। इनमें से 12 योजनाओं में चोरी हो चुकी है।

लगातार हो रही इन घटनाओं ने विभागीय संपत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लघुडाल खंड के सहायक अभियंता विपिन तोमर ने चोरी की घटनाओं की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी मामलों की जानकारी पुलिस को दे दी गई है।

पुलिस की ओर से उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। वहीं, पुलिस उपाधीक्षक चंचल शर्मा ने बताया कि चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस टीम जुटी हुई है। मामले की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक भूपेंद्र रावत को सौंपी गई है। जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण सुराग भी हाथ लगे हैं। उन्होंने जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही है।

श्रमिक नेताओं के जिला बदर के विरोध में मजदूर पंचायत, 22 नवंबर को होगी महापंचायत

हरिद्वार(आरएनएस)। श्रमिक नेताओं को जिला बदर करने की कार्रवाई के विरोध में श्रमिक संगठनों ने रोशनाबाद स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के पास मजदूर पंचायत कर सरकार और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश जताया।

श्रमिक नेताओं ने आरोप लगाया कि मजदूरों की आवाज उठाने वालों को झूठे मुकदमों, गुंडा एक्ट और जिला बदर की कार्रवाई के जरिए दबाया जा रहा है। पंचायत में आंदोलन तेज करने का निर्णय लेते हुए 22 नवंबर को महापंचायत आयोजित करने की घोषणा की गई।

पंचायत में वक्ताओं ने कहा कि शासन-प्रशासन पूंजीपतियों के इशारे पर काम कर रहा है। फैक्ट्रियों और कंपनियों में आठ घंटे काम कराने की बात कहकर श्रमिकों से 12 घंटे तक काम लिया जा रहा है। मजदूरों को उनके अधिकार मांगने पर प्रताड़ित किया जा रहा है। श्रमिक नेताओं पंकज, जयप्रकाश और ललित को जिला बदर किए जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बिना उचित जांच के इस तरह की कार्रवाई करना गलत है। नेताओं के घरों पर पुलिस दबिश देने और मुकदमे दर्ज करने की कार्रवाई से मजदूरों में भय का माहौल बनाया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि जब तक जिला बदर किए गए श्रमिक नेताओं के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

उन्होंने अंकिता भंडारी प्रकरण का जिक्र करते हुए भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। श्रमिक संगठनों ने मजदूरों, किसानों और श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई को और व्यापक बनाने की बात कही। पंचायत में 22 नवंबर को महापंचायत कर आगे की रणनीति तय करने का निर्णय लिया गया।

इस दौरान खीमानंद जोशी, दीपा, महिपाल, रोहित रोहेला, गोविंद उचौली, अनिल, सतीश, नीता, रजनी, निशा, दिनेश कुमार, देवेंद्र, बृजपाल, मो. साब, अशोक चौधरी, मो. जोक, सत्यसिंह, मालती, अमित, सुशीला, यशवंत सिंह, रजत, ओमकार सिंह, शाहिद, चंद्रेश कुमार, भावना, राजकुमार, रवींद्र, सोनू सिंह और संदीप आदि मौजूद रहे।



एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत!

हमारे संवाददाता

भोपाल। राजधानी भोपाल के छोला इलाके में पांच लोगों का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। चार लोगों के शव घर में पड़े मिले हैं। वहीं, एक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला है। आशंका जताई जा रही है कि हत्यारे ने चारों की हत्या कर खुद रेलवे ट्रैक पर जान दे दी है।

मामला छोला मंदिर थाना क्षेत्र के मालीखेड़ी का है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक एक परिवार के हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद भोपाल पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। इसके बाद जांच की जा रही है। सभी शवों को पीएम के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंची है।

शुरुआती जांच में यह पता चला है कि घर के अंदर एक बुजुर्ग महिला, एक महिला और दो बच्चे का शव मिला है। वहीं, पुरुष का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ था। मृतकों के नाम सरस्वती साहू, सोमलता, कृति साहू और खुश साहू। है। रेलवे ट्रैक पर जिसका शव मिला है, उसका नाम नरेंद्र साहू है। सभी लोग एलआईजी फ्लैट में रहते थे। मृतकों की पहचान नरेंद्र साहू (35), उनकी मां सरस्वती साहू (50), पत्नी सोमलता साहू (29), बेटी कृति साहू (10) और बेटे खुश साहू (6) के रूप में हुई है। नरेंद्र की मां, पत्नी और दोनों बच्चों के शव मालीखेड़ी स्थित उनके घर में मिले। चारों के गले पर धारदार हथियार से हमला किए जाने की आशंका जताई जा रही है। एसीपी निशातपुरा शशांक जैन के मुताबिक, पुलिस को नरेंद्र के घर से निकलने का एक सीसीटीवी फुटेज मिला है। इसमें वह सुबह करीब 7:30 से 8 बजे के बीच घर से निकलता दिखाई दे रहा है। शक है कि सुबह-सुबह वारदात हुई है। परिवार के मुखिया नरेंद्र साहू (35) का शव सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र के चोपड़ा कलां स्थित रेलवे ट्रैक पर मिला था। सोमवार सुबह परिवार के एक रिश्तेदार को नरेंद्र की मौत की सूचना मिली। वह परिजन को जानकारी देने मालीखेड़ी स्थित घर पहुंचा, लेकिन काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला। फोन पर भी किसी से संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद रिश्तेदार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर घर में प्रवेश किया तो अंदर चार लोगों के शव मिले। परिवार मालीखेड़ी स्थित पीएमएवाय एलआईजी कॉलोनी के एलआईजी ठ4 में रहता था। मकान मालिक रामसिंह भोपाल में असिस्टेंट लोको पायलट हैं। पिछले साल सितंबर में मकान नंबर 4 सोमलता साहू को 5 हजार रुपए महीने के किराए पर दिया था। उस समय उन्होंने सोमलता का आधार कार्ड भी लिया था। सोमलता ने बताया था कि उनके पति बाहर प्राइवेट नौकरी करते हैं। वह दो बच्चों और अपनी सास के साथ रहती हैं। सोमलता हर महीने ऑनलाइन किराया भेज देती थीं।

अब आरक्षित कोच में सफर करने वाले यात्री नहीं होंगे परेशान

कोटद्वार(आरएनएस)। रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म का चौड़ीकरण कार्य शुरू हो गया। प्लेटफार्म के एक ओर बने मिट्टी के टीले को काटने के लिए जेसीबी लगाई गई है। अब दो एक्सप्रेस ट्रेनों के आरक्षित कोच में सवार यात्रियों को आवाजाही में समस्या नहीं होगी।

कोटद्वार रेलवे स्टेशन का नया भवन तैयार कर लिया गया है। हाल ही में भवन को स्टेशन अधीक्षक को हस्तांतरित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशन के विकास का कार्य अभी भी चल रहा है। कोटद्वार रेलवे स्टेशन पर एकमात्र प्लेटफार्म है। हाल ही में इस प्लेटफार्म का जीर्णोद्धार कराया गया था लेकिन तब प्लेटफार्म के चौड़ीकरण को अगले चरण के कार्यों के लिए टाल दिया गया था। अब द्वितीय चरण में रेलवे की गति शक्ति यूनिट की देखरेख में प्लेटफार्म चौड़ीकरण का कार्य शुरू किया गया है।प्लेटफार्म के एक ओर मिट्टी-बोल्डर के टीले को काटा जा रहा है।

कार्य में जेसीबी को लगाया गया है। प्लेटफार्म पर बनाए गए नए शौचालय से पुराने मालगोदाम क्षेत्र के निकट भूमिगत पुलिया तक मिट्टी-बोल्डर के टीले को काटने के बाद प्लेटफार्म का चौड़ीकरण होगा। बताया जा रहा है कि दो मीटर तक प्लेटफार्म चौड़ा किया जाएगा। अभी तक इस स्थान पर प्लेटफार्म संकरा होने से कोटद्वार से दिल्ली के बीच संचालित श्री सिद्धबली जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन और कोटद्वार से आनंद विहार तक के लिए चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन के आरक्षित कोच में सफर करने वाले यात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

तीन चोरियों का खुलासा, एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने तीन चोरियों का खुलासा करते हुए एक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार एक नवंबर 2026 को अलग अलग व्यक्तियों, अंकित सिंह पुत्र विजय प्रताप सिंह निवासी ग्राम माजरा, अंशुल पालीवाल पुत्र प्रदीप पालीवाल निवासी शिवालिक पुरम वसंत विहार व अश्वनी कुमार पुत्र नंदलाल निवासी लख्खीबाग थाना कोतवाली देहरादून द्वारा थाना बसंत विहार पर आकर प्रार्थना पत्र दिये कि 31 अक्टूबर 2026 की रात्रि में चोरों द्वारा उनकी दुकानों से ज्वैलरी, नगदी व अन्य सामान चोरी कर ले जाने के संबंध में दिया गया, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लगातार हुई चोरी की घटनाओं की गंभीरता के दृष्टिगत उनके खुलासे तथा घटना में शामिल लोगों की गिरफ्तारी हेतु एसएसपी द्वारा दिये गए निर्देशों पर तत्काल थाना बसंत विहार पर अलग अलग टीमो का गठन किया गया। गठित टीमो द्वारा सभी घटना स्थलों का निरीक्षण कर घटनास्थल व उसके आसपास लगे लगभग 70 सीसीटीवी कैमरों को चैक करते हुए घटना में शामिल संदिग्धों के हुलिये की जानकारी प्राप्त की गई तथा प्राप्त हुलिए से स्थानीय तंत्र को अवगत कराते हुए उन्हें सक्रिय किया गया, साथ ही पूर्व में चोरी की घटनाओं में प्रकाश में आए उसकी अद्यतन स्थिति की जानकारी कर उनका भौतिक सत्यापन किया गया।

पुलिस टीम द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही व अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप 02 नवंबर 2026 को पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान सूचना पर चोरी



की घटनाओं को अंजाम देने वाले सुमित उर्फ सत्यम उर्फ चीरवा को मलिक चौक के पास चोरी किए गए सामान के साथ गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वह नशे का आदी है तथा पूर्व में थाना पटेल नगर से चोरी के मुकदमे में जेल गया था तथा कुछ दिन पूर्व ही जमानत पर जेल से बाहर आया था। अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिये उसके द्वारा रात्रि में मौका देखकर जीएमएस रोड स्थित अलग अलग दुकानों के ताले तोड़कर दुकानों में रखी ज्वेलरी, लैपटॉप, मोबाइल व अन्य सामान चोरी कर लिया था। वह घटना में चोरी किए गए सामान को बेचने की फिराक मे था, पर उससे पूर्व ही पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार सुमित उर्फ सत्यम उर्फ चीरवा पूर्व में भी कई बार चोरी व अन्य आपराधिक घटनाओं में जेल जा चुका है। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

समिति ने लेखपालों के कार्य बहिष्कार पर दुख व्यक्त किया

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने तहसील में लेखपालों द्वारा कार्य बहिष्कार के निर्णय को दुखद बताया है।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए तहसील में लेखपालों द्वारा कार्य बहिष्कार के निर्णय को दुखद बताया है। उन्होंने कहा है कि कार्य बहिष्कार का सीधा-सीधा असर जनता पर पड़ रहा है क्योंकि बहुत से बच्चों छात्र-छात्राओं को निवास प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, आय व प्रमाण पत्र वारिस नाम बने हैं। लेकिन लोकपालों के कार्य बहिष्कार का उन पर सीधा-सीधा असर पड़ रहा है वह अपने को ठगा सा महसूस कर रहे है। उन्हें कार्य करने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभात डंडरियाल और सुरेश कुमार ने उम्मीद जताई कि प्रशासन लेखपालों के कार्य बहिष्कार को जनहित में वापस कारण ताकि जनता को परेशानियों से बचाया जा सके।

शब्द सामर्थ्य

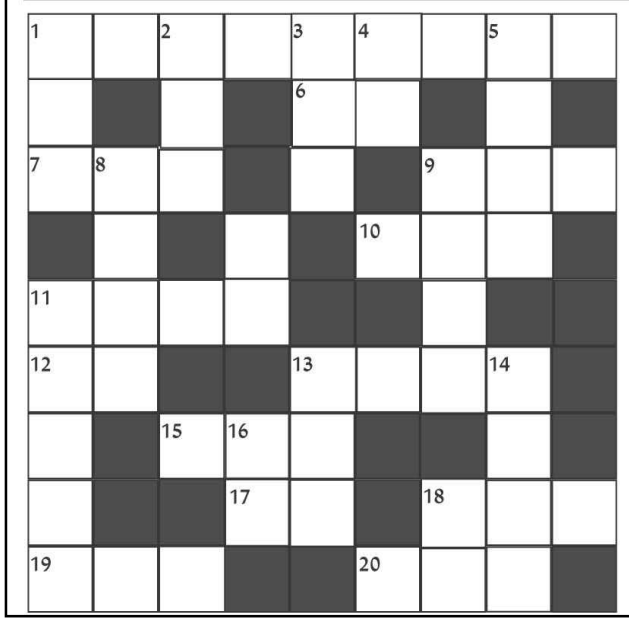
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. सपा प्रमुख 6. चलने की क्रिया या तरीका, गति, आचरण, दांव 7. आंख, नेत्र 9. ज्वर, गुबार 10. मसलना, पीसना 11. बेसबब, व्यर्थ, बेवजह 12. मां की मां 13. हिरण्यकश्यप का पुत्र जो परम हरिभक्त था 15. भारत का राष्ट्रीय ध्वज 17. दुर्ग, किला, मुख्य स्थान 18. दासी, बांदी 19. भारत का राष्ट्रीय फूल 20. कयामत, तबाही।

ऊपर से नीचे

1. मुस्कुराहट, तबस्सुम 2. विश्वास, प्रतीति 3. खेतों को सींचने का कार्य, छिड़काव 4. खेज जोतने का यंत्र, समाधान 5. औषधालय 8. कमलरोग से ग्रसित व्यक्ति 9. बुल्ला, बुदबुदा 11. गैरजरूरी 13. बहुत अधिक, गाढ़ा, घना 14. रहम करने योग्य, दया के योग्य 16. वर्ण, 'कलर' 18. बीता हुआ या आने वाला दिन।



उ	पा	धि				न		फ
प		क्का			पा	य	दा	न
ना	ग	र		दो	ल	न		का
म	जा		पु	स्त	क		बै	र
	न		का			सि	रा	
जा	न	व	र			त	ग	ड़ा
दू		सं		र	क	म		
ग	ल	त	फ	ह	मी		ज	ख्मी
र	ट			ट	ना	ट	न	

किंग के पोस्टर में दिखा शाहरुख खान का किलर-रोमांटिक लुक!

शाहरुख खान अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग को लेकर बहुत एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। इसलिए किंग खान अपनी फिल्म से बार-बार अपनी तस्वीरें शेयर कर रहे हैं और दर्शकों को याद दिला रहे हैं कि यह फिल्म कब रिलीज होगी। इस कड़ी में शाहरुख खान ने अपने फैंस को एक बार फिर फिल्म से अपडेट किया है। शाहरुख ने फिल्म किंग से अपना नया और किलर लुक धांसू पोस्टर शेयर किया है। शाहरुख खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर किंग से नया पोस्टर शेयर कर अपने फैंस को सुबह-सुबह खुश कर दिया है। किंग का नया पोस्टर शेयर कर शाहरुख इसके कैप्शन में लिखते है, आज फिर याद आया, कातिल नहीं। आशिक हूं।



किंग से आया शाहरुख खान का नया पोस्टर डैशिंग और धांसू होने के साथ-साथ किलर-रोमांटिक भी है। शाहरुख खान आग की लपटों के बीच नजर आ रहे हैं। आंखों में रूमानियत है और दांतों के बीच प्यार का प्रतीक गुलाब का फूल दबा रखा है। पोस्ट में शाहरुख ऑल ब्लैक कॉस्ट्यूम लुक में दिख रहे हैं। किंग खान के दाहिने हाथ में बंदूक है और शर्ट के बटन पेट तक खुले हैं। ऐसा लग रहा है, जैसे जंग जीतने के बाद शाहरुख अपने प्यार की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। किंग के नए पोस्टर पर फैंस और सेलेब्स के कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। फैंस ने रेड हार्ट और फायर इमोजी से कमेंट बॉक्स भर दिया है। कई फैंस ने शाहरुख के इस किलर लुक को फायर ईमोजी शेयर कर इसे फायर बताया है।

किंग एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसे पठान के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। साथ ही अभिषेक बच्चन, सौरभ शुक्ला, अरशद वारसी और अनिल कपूर समेत कई स्टार नजर आने वाले हैं। फिल्म आगामी 24 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने जा रही है।

अहान पांडे-शरवरी की फिल्म बेपरवाह का पोस्टर रिलीज!

अभिनेता अहान पांडे और अभिनेत्री शरवरी वाघ आगामी एक्शन-ड्रामा फिल्म से दर्शकों का मनोरंजन करने के पूरी तरह तैयार हैं। सोमवार को मेकर्स ने फिल्म के टाइटल का खुलासा कर फैंस के मन में एक्साइटमेंट और भी बढ़ा दी हैं। यशराज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर किया, जिसमें अहान और शरवरी की जोड़ी काफी दमदार लग रही है। पोस्टर में दोनों एक्शन, रोमांस और म्यूजिक के मिले-जुले अंदाज की ओर इशारा करता है। टाइटल को बोल्ड अक्षरों में लिखा गया है, जिसके साथ टैगलाइन है, प्यार में निडर। मेकर्स ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, प्यार में निडर बेपरवाह 26 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कैप्शन में मेकर्स ने शरवरी और अहान पांडे के साथ फिल्म की पूरी टीम को भी टैग किया है।

इस रोमांटिक एक्शन-ड्रामा का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है और इसे आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है।फिल्म में अहान पांडे, शरवरी, ऐश्वर्य ठाकरे और बॉबी देओल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के लिए जहां अभिनेता अहान पांडे कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

फिल्म में अहान एक ऐसे युवा के रूप में नजर आएंगे, जो अपनी ताकत के दम पर विरोधियों को हरा सके। वहीं, ऐश्वर्य ठाकरे खलनायक की भूमिका अदा करते हुए नजर आएंगे। आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रोड्यूस की गई बेपरवाह 26 मार्च 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म की ज्यादातर शूटिंग ब्रिटेन (यूके) में की गई है। इस फिल्म के जरिए आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास पांचवी बार साथ काम कर रहे हैं। बेपरवाह यश राज फिल्म्स में जफर की वापसी का प्रतीक है और यह उनकी पांचवी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

ली अब्बास जफर की बात करें, तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में झूम बराबर झूम (2007), टशन (2008), न्यूयॉर्क (2009) और बधाई कंपनी (2010) फिल्मों में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था। फिर, साल 2011 में रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन से डायरेक्टोरियल और स्क्रीनराइटिंग डेब्यू किया था। फिल्म को यशराज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा ने निर्मित किया था। इसमें इमरान खान, कैटरीना कैफ और अली जफर मुख्य भूमिकाओं में थे।

फिल्म ओम में साई पल्लवी निभा रहीं नित्या रेड्डी का किरदार

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ओम सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तमिल स्टार धनुष और मलयालम सुपरस्टार ममूटी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच मेकर्स ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार का खुलासा कर दिया है। फिल्म में अभिनेत्री साई पल्लवी नित्या रेड्डी का किरदार निभाएंगी। बॉलीवुड स्टार नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टाइटल के साथ चैप्टर 1 की टैगलाइन है, जिससे संकेत मिलता है कि इसका सीक्वल भी आ सकता है।



कुछ समय पहले मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए टाइटल टीजर से पता चला था कि कहानी लाल चंदन काटकर जीवन यापन करने वालों के इर्द-गिर्द घूमती है। धनुष खुद फिल्म में एक लकड़हारे की भूमिका में हैं। टीजर में दिखाया गया था कि पुलिसकर्मी अवैध रूप से लाल चंदन काट रहे लकड़हारों को पकड़ रहे हैं। जैसे ही वे बंदूक की नोक पर मजदूरों को बंधक बनाते हैं, धनुष उन्हें बचाने के लिए आता हुआ दिखाई देता है। फिल्म इस साल 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बता दें कि मेकर्स ने पहले फिल्म को पिछले माह 16 अक्टूबर को रिलीज करने का प्लान बनाया था। हालांकि, एक्टर धनुष ने एक बयान में फिल्म की रिलीज टालने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत के सम्मान में फिल्म की रिलीज को टालने का फैसला किया है, रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 15 अक्टूबर को रिलीज हुई थी।

धनुष ने यह भी साफ किया है कि उनकी फिल्म दिवाली पर भी रिलीज नहीं होगी क्योंकि उसी डेट पर सूर्या की फिल्म पहले से अनाउंस हो चुकी है। इसके बाद एक्टर और प्रोड्यूसर ने फिल्म की नई रिलीज डेट 20 नवंबर घोषित की। फिल्म को लेकर फैंस और सिनेमा लवर्स में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि यह पहली बार है जब धनुष और ममूटी किसी प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क का ऐलान, इस बार शनाया कपूर लगाएंगी डर का तड़का



फिल्म निर्माता करण जौहर की चर्चित फिल्म श्रृंखला स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के तीसरे भाग की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। हालांकि, इस बार दर्शकों को एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। धर्मा प्रोडक्शंस इस बार फिल्म के बजाय वेब श्रृंखला के रूप में इसकी तीसरी कड़ी लेकर आ रहा है। स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' नाम की इस श्रृंखला में अभिनेत्री शनाया कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

निर्माताओं ने श्रृंखला का प्रोमो जारी कर इसकी कहानी की झलक दिखाई है। प्रोमो से संकेत मिलता है कि इस बार सेंट टेरेसा स्कूल की दुनिया पहले की तरह केवल रोमांस और युवा प्रेम कहानियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें रहस्य, भय और रोमांच का गहरा पुट देखने को मिलेगा। शनाया कपूर की झलक के साथ सामने आया प्रोमो इस लोकप्रिय श्रृंखला के बदले हुए अंदाज और गंभीर कहानी की ओर इशारा करता है।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' में युवाओं के जीवन के अंधेरे पहलुओं को रहस्यमयी और गंभीर घटनाओं के माध्यम से प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है। इस बार कहानी में नए कलाकार भी शामिल होंगे। शनाया कपूर के अलावा मान्या ग्रोवर, दिव्यिक शर्मा, आदि मलिक और अभिनव सिंह भी श्रृंखला का हिस्सा होंगे।

इस वेब श्रृंखला का निर्देशन पुरस्कार विजेता लघु फिल्म निर्देशक रीमा माया ने किया है। उनके निर्देशन में तैयार यह श्रृंखला लोकप्रिय फिल्म श्रृंखला को एक नए कथानक और अलग शैली में पेश करेगी।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर डार्क' का प्रसारण 13 नवंबर, 2026 को जियोहॉटस्टार पर होगा। अब दर्शकों की नजर इस बात पर है कि करण जौहर की लोकप्रिय युवा-केंद्रित श्रृंखला का यह नया और रहस्यमयी रूप कितना आकर्षित कर पाता है।

हाथों में पवित्र गंगाजल!

2027 में फरवरी में उत्तराखण्ड में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी के मध्यमजर बीजेपी के नेतागण अपने अपने पक्ष में माहौल बना रहे हैं। इसी क्रम में गंगोत्री विधानसभा से बीजेपी के दावेदार पेशे से पत्रकार रहे लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने 31 अक्टूबर को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भेंट की थी।

2 नवंबर को बीजेपी नेता लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने उत्तराखण्ड के कद्दावर नेता और मोदी योगी के सबसे चहेते जो कि पिछले लम्बे समय से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रहे हैं और वर्तमान में बीजेपी के पौड़ी गढ़वाल से सांसद अनिल बलूनी जी से भेंट की।गौरतलब हुआ कि श्री अनिल बलूनी भारतीय जनता



पार्टी में राष्ट्रीय कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के समन्वयक (कॉर्डिनेटर) हैं। जिन्हें सितंबर 2026 में भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) द्वारा श्री बलूनी जी का कद बढ़ाकर कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट का कॉर्डिनेटर नियुक्त किया गया है, जिसके तहत सभी मीडिया विंग्स और प्रचार विभागों का जिम्मा उन्हें सौंपा गया है। अनिल बलूनी भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक (मुख्य प्रवक्ता) की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं और इसी के साथ साथ वे संसदीय समितियों में सदस्य, रक्षा संबंध ी समिति सदस्य, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी समिति के सदस्य भी है। बीजेपी नेता लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने 2 नवंबर को सांसद अनिल बलूनी जी से बीजेपी मुख्यालय दिल्ली में भेंट की, उन्हें माँ गंगा जी का जल भेंट किया और गंगोत्री विधानसभा से अपनी दावेदारी प्रस्तुत करते हुए उन्हें अपना जीवन वृत्त पत्र सौंपा।। बीजेपी नेता अनिल बलूनी जी ने हाथों में पवित्र गंगाजल लेकर कुछ समय आँख मूंदकर माँ गंगा जी का स्मरण किया इस दौरान हाथों में गंगाजली लेकर उनके चेहरे पर एक शांत श्रद्धा का भाव उभर आया मानो वे स्वयं माँ गंगा जी के उद्गम गंगोत्री में गंगातट पर खड़े होकर माँ गंगा जी की स्तुति कर रहे हों। बीजेपी नेता लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि उत्तराखण्ड में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भी उनकी श्री अनिल बलूनी जी से सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई है।। खासकर गंगोत्री विधानसभा को लेकर अपना पक्ष रखा। लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि उन्होंने गंगोत्री विधानसभा का समुचित विकास के संकल्प को लेकर एक रोड मैप के साथ अपनी बात रखी और अपने द्वार किए गए सामाजिक कार्यों से अवगत कराया। इस मुलाकात के दौरान गंगोत्री विधानसभा के विकास और आगामी चुनाव को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

लोकेंद्र सिंह बिष्ट
(गंगोत्री विधानसभा से बीजेपी दावेदार)

सू- दोकू क्र.

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

किसान जागरूकता कार्यक्रम में दी गई मौसम आधारित कृषि सलाह की जानकारी

रुड़की(आरएनएस)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की की ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना द्वारा किसानों को मौसम आधारित कृषि सलाह एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से रुड़की के नन्हेड़ा अनंतपुर गाँव में किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में किसानों को कृषि में मौसम की भूमिका, फसल प्रबंधन तथा प्रतिकूल मौसम से होने वाले संभावित नुकसान से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना, आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ शोध अध्येता रोताश कुमार ने परियोजना के उद्देश्यों एवं कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परियोजना के माध्यम से प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को हरिद्वार, देहरादून तथा पौड़ी गढ़वाल जनपदों के किसानों के लिए मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की जाती है। इन सलाहों का उद्देश्य किसानों को मौसम की परिस्थितियों के अनुरूप कृषि कार्यों की योजना बनाने में सहायता प्रदान करना है।

रोताश कुमार ने बताया कि मौसम का सटीक पूर्वानुमान किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्षा, तापमान, हवा एवं अन्य मौसमी परिस्थितियों की जानकारी के आधार पर किसान सिंचाई, बुवाई, उर्वरक प्रबंधन तथा फसल संरक्षण जैसे कार्यों के संबंध में उचित निर्णय ले सकते हैं। मौसम आधारित कृषि सलाह अपनाने से प्रतिकूल मौसम के कारण होने वाले संभावित नुकसान को कम करने और फसल उत्पादन को बेहतर बनाने में सहायता मिल सकती है।

गौरव ने कहा कि कृषि की उन्नत पद्धतियों, फसलों की उचित देखभाल तथा वैज्ञानिक जानकारी के आधार पर खेती करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को कृषि संबंधी नवीन जानकारियों का लाभ उठाने और बेहतर कृषि प्रबंधन के लिए जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों तक मौसम संबंधी उपयोगी जानकारी पहुंचाना तथा उन्हें वैज्ञानिक एवं मौसम अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने कृषि एवं मौसम संबंधी जानकारियों में रुचि दिखाई।

बहुउद्देशीय शिविर में 15 विभागों ने दी योजनाओं की जानकारी

कोटद्वार(आरएनएस)। जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में एक से 15 नवंबर तक होने वाले कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ।

समाज कल्याण विभाग पौड़ी की ओर से भाबर के हल्दूखाता स्थित बोक्सा जनजाति विद्यालय में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। इसमें 15 विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याएं भी सुनीं।शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीएम कोटद्वार संदीप कुमार ने किया। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीणों की समस्याओं का एक सप्ताह के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए।

शिविर में उद्यान विभाग ने 2० लोगों को निशुल्क सब्जियों के बीज वितरित किए जबकि कृषि विभाग की ओर से सात लाभार्थियों को कृषि यंत्र दिए गए। वहीं, दो लोगों को किसान सम्मान निधि का लाभ दिलाया गया।

इसके अलावा बोक्सा जनजाति के 2० लोगों के आधार कार्ड भी बनाए गए। इस मौके पर हल्दूखाता मल्ला के पार्षद जेपी बहुखंडी, जशोधरपुर के पार्षद मनीष नैथानी, प्रधानाचार्य कंचन रावत, महेंद्र सिंह, डॉ. सुबोध रंजन, राजेंद्र सिंह पाल और जगत सिंह मौजूद रहे।

कर्णप्रयाग महाविद्यालय में आगामी मार्च तक पूरा हो जाएगा काम

चमोली(आरएनएस)। डॉ. शिवानंद नौटियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष कक्षों का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। कार्य का लगभग 5० प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। यहां सभागार, कंप्यूटर कक्ष और अतिरिक्त कक्ष तैयार हो रहे हैं। पेयजल निगम के अधिकारियों के अनुसार मार्च माह तक कार्य पूरा कर दिया जाएगा।महाविद्यालय में करीब 277.13 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य किया जा रहा है। कार्यदायी संस्था उत्तराखंड पेयजल निगम की ओर से महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन के पीछे कक्ष कक्षों का कार्य गतिमान है। भवन के पीछे का कार्य करने के बाद अब महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन के ऊपर कार्य किया जा रहा है जिसमें बीम भरने का कार्य किया जा रहा है। निर्माण इकाई उत्तराखंड पेयजल निगम श्रीनगर के प्रोजेक्ट मैनेजर सुनील ने बताया कि निर्माण कार्य शुरू होने के दौरान वहां पर भूमि संबंधी विवाद हो गया था जिसमें काफी समय लग गया था।

बाबा केदार के दर्शनों के लिए लगातार पहुंच रहे श्रद्धालु

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। केदारनाथ धाम में हालिया बर्फबारी के बाद मौसम सुहावना बना हुआ है। धाम में बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियों के बीच श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर रहे हैं। वहीं बढ़ती ठंड के बावजूद यात्रियों में दर्शन को लेकर उत्साह बना है। सुबह से ही पैदल मार्ग, घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी और हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं का धाम पहुंचने का सिलसिला जारी है। इस वर्ष यात्रा में अब तक 18,74,1०० श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। केदारनाथ धाम के कपाट आगामी 11 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे।

चयनित प्रतिभागियों को किया सम्मानित

कोटद्वार(आरएनएस)। भारत स्वाभिमान न्यास एवं पतंजलि योग समिति की मासिक बैठक श्री गुरु राम राय स्कूल पदमपुर स्थित योग कक्षा में आयोजित की गई।रविवार सुबह हुई बैठक में संस्था की पिछली कार्यवाही की समीक्षा की गई और योग, आयुर्वेद और स्वदेशी के क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी साझा की गई। साथ ही संस्था की अब तक की प्रगति पर चर्चा करते हुए योग के नए आयामों के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालय में नियमित रूप से योगाभ्यास करने वाले साधक डॉ. रवि नेगी, देवेंद्र रावत, बीना रावत, सुनीता बिष्ट और नीलम चौहान को सम्मानित किया गया।

राष्ट्र के प्रति समर्पण और अनुशासन से ही बनेगा सशक्त समाजः पंत

विकासनगर(आरएनएस)। राष्ट्र के प्रति प्रेम केवल भावनाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह व्यक्ति के व्यवहार, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों में भी दिखाई देना चाहिए। जब समाज के लोग आपसी भेदभाव भुलाकर एकजुट होते हैं और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हैं, तभी एक सशक्त और संगठित राष्ट्र का निर्माण होता है।

यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के समरसता प्रमुख राजेंद्र पंत ने सुद्धोवाला में आयोजित विजयदशमी उत्सव में मुख्य वक्ता के रूप में कही।उन्होंने कहा कि विजयदशमी का पर्व शक्ति, साहस, संगठन, अनुशासन और सकारात्मक संकल्प का प्रतीक है। यह पर्व हमें अन्याय और बुराई के विरुद्ध खड़े होने तथा अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में विजयदशमी के दिन हुई थी। संघ की स्थापना के पीछे समाज को संगठित करने, राष्ट्रीय चेतना जगाने और लोगों में राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव विकसित करने का उद्देश्य रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल किसी एक संस्था या संगठन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका है। स्वयंसेवकों को अपने आचरण, सेवा कार्यों और सामाजिक व्यवहार से इस भावना को मजबूत करना चाहिए। इससे पहले सहसपुर खंड के स्वयंसेवकों ने अनुशासित पथ संचलन किया। एक जैसी गणवेश में कतारबद्ध होकर कदम से कदम मिलाते हुए आगे बढ़ते स्वयंसेवकों ने संगठन की एकता और सामूहिक अनुशासन का परिचय दिया। पथ संचलन के दौरान स्वयंसेवकों में उत्साह और राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव नजर आया। अनुशासित कदमताल और एकरूपता के साथ निकले स्वयंसेवकों ने क्षेत्र में सामाजिक एकता और संगठनात्मक प्रतिबद्धता का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संदीप नेगी ने की।

इस अवसर पर खंड संघचालक दिनेश शर्मा, खंड कार्यवाह रजनीश, जिला प्रचारक पंकज, ज्ञान सिंह राणा, सुमित सिंह, नीरज ठाकुर, विधायक सहदेव पुंडीर और मीता सिंह मौजूद रहे।



6/11 गोरखा राइफल्स ने धूमधाम से मनाया अपना 63वाँ रेजिंग डे

हमारे संवाददाता

देहरादून। देहरादून। 6/11 गोरखा राइफल्स ने अपना 63वाँ रेजिंग डे (स्थापना दिवस) गोरखाली सुधार सभा, गढ़ी कैंट, देहरादून के प्रांगण में बड़े ही हर्षोल्लास एवं भव्य रूप से मनाया।

उल्लेखनीय है कि 6/11 गोरखा राइफल्स की स्थापना 1 अक्टूबर 1963 को देहरादून के क्लेमेंटाउन में हुई थी। इसी गौरवशाली सैन्य परंपरा को याद करते हुए पलटन ने अपना 63वाँ स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर पलटन के भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

समारोह में सभी ने एक-दूसरे से मिलकर पुरानी यादें ताजा कीं तथा पलटन के गौरवशाली इतिहास, वीरता, अनुशासन और आपसी भाईचारे को याद किया। यह आयोजन भूतपूर्व सैनिकों के बीच आपसी प्रेम, एकता और पलटन के प्रति अटूट सम्मान का प्रतीक बना।

मकान का ताला तोड नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर कौलागढ निवासी इमरान अहमद ने कैंट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से नगदी व जेवरात चोरी करके ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पुलिस के साथ मारपीट करने पर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। नगर निगम में हंगामा करने पर पुलिस कर्मियों द्वारा समझाने पर उनके साथ मारपीट करने पर पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली में तैनात एसआई संदीप कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि लाडपुर निवासी पियूष के द्वारा नगर निगम में किसी बात को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। जब वह उसको समझाने पहुंचे तो उसने उसके साथ भी मारपीट करनी शुरू कर दी। जिसके बाद कोतवाली से अतिरिक्त फौर्स बुलाकर उसको गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया।

2027 की जंग से पहले कांग्रेस का... ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

नहीं माना जा सकता, लेकिन चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए यह जरूरी होगा कि सभी प्रमुख चेहरे एक मंच पर दिखाई दें। भाजपा की चुनावी मशीनरी के सामने कांग्रेस को अपने नेताओं के बीच तालमेल और कार्यकर्ताओं में भरोसा पैदा करना होगा।

दरअसल, उत्तराखंड की राजनीति में 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की परंपरा और भाजपा की हैट्रिक के बीच मुकाबला नहीं होगा, बल्कि यह कांग्रेस के राजनीतिक पुनरुत्थान की भी परीक्षा बनेगा। दिल्ली में हुई बैठक से कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वह चुनाव को हल्के में लेने के मूड में नहीं है। लेकिन सवाल यही है कि दिल्ली में बना चुनावी रोडमैप देहरादून से लेकर गांवों और बूथों तक कितनी तेजी से पहुंचता है।

'पहाड़' की जमीन पर सियासत 'गर्म'.. ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

एक मजबूत और साझा राजनीतिक अभियान खड़ा करने के संघर्ष से गुजर रही है। ऐसे में सभी नेताओं को विधानसभा वार जिम्मेदारी सौंपना एक प्रयोग भी है और संगठनात्मक एकजुटता की परीक्षा भी।

दरअसल, 2027 का चुनाव उत्तराखंड में जमीन की राजनीति को नई दिशा दे सकता है। कांग्रेस ने भूमि बचाओ-धामी हटाओ का नारा देकर यह संकेत दे दिया है कि वह चुनाव में केवल भाजपा सरकार की उपलब्धियों और कमियों पर बहस नहीं करना चाहती, बल्कि राज्य की जमीन, संसाधनों और पहचान को केंद्रीय मुद्दा बनाना चाहती है। अब देखना यह होगा कि चार नवंबर से शुरू होने वाला अभियान जनआंदोलन का रूप लेता है या फिर चुनावी नारों की सियासत तक सिमटकर रह जाता है। कांग्रेस के लिए यह अभियान सत्ता वापसी की राह तलाशने का मौका है, जबकि भाजपा के लिए अपनी नीतियों और फैसलों का बचाव करने की चुनौती। इतना तय है कि उत्तराखंड की चुनावी राजनीति में अब जमीन केवल जमीन नहीं रहेगी, बल्कि सत्ता के संघर्ष का बड़ा राजनीतिक मैदान बनने जा रही है।

किसानों का दल सेब की बागवानी का प्रशिक्षण लेने हिमाचल रवाना

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में सेब उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को आधुनिक बागवानी तकनीकों में दक्ष बनाने के उद्देश्य से कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज हाथीबड़कला स्थित



कृषि मंत्री गणेश जोशी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कैंप कार्यालय से जनपद देहरादून के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के 28 किसानों के दल को पांच दिवसीय प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश रवाना किया। कृषि मंत्री जोशी ने किसानों के दल को डॉ. वाई. एस. परमार यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री, नौणी, सोलन के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान किसान सेब उत्पादन की आधुनिक एवं उच्च तकनीकों जैसे कटाई-छंटाई, फल पौध रोपण, उर्वरक प्रबंधन, जैविक खाद, बडिंग एवं ग्राफ्टिंग, फलों की पैकेजिंग और मार्केटिंग आदि की जानकारी प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद किसान स्वयं इन तकनीकों का लाभ उठाने के साथ-साथ अन्य किसानों को भी आधुनिक बागवानी के प्रति जागरूक करेंगे। इससे प्रदेश में सेब उत्पादन एवं उत्पादकता में गुणात्मक वृद्धि होगी और किसानों की आय में इजाफा होगा।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने और किसानों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए क्लस्टर आधारित खेती एवं उच्च मूल्य वाली फसलों को बढ़ावा दे रही है। प्रदेश में 808.79 करोड रूपये की लागत से सेब की अति सघन बागवानी योजना संचालित की जा रही है, जिसके अंतर्गत 5,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में सेब के बागान विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में किसानों को 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि सेब तुड़ाई उपरांत प्रबंधन योजना के अंतर्गत 144.55 करोड़ की लागत से सी.ए. स्टोरेज एवं सॉर्टिंग-ग्रेडिंग इकाइयां स्थापित की जा रही हैं, जिसमें 50 से 70 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त ष्80 करोड़ की लागत से सेब की अत्याधुनिक नर्सरी योजना के तहत 400 एकड़ क्षेत्रफल में नर्सरी स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर सरकार में दायित्वधारी ज्योति कोटिया, संध्या थापा, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ. डी.के. तिवारी सहित अन्य कृषक उपस्थित रहे।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। वन विहार मेहूंवाला निवासी मौहम्मद खुर्रम ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से संडे मार्केट गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल एक स्थान पर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एसडीआरएफ ने नदी किनारे से बरामद किया अज्ञात शव

पौड़ी (हमारे संवाददाता)। दुगड्डा से आगे नदी किनारे एसडीआरएफ ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव एसडीआरएफ ने बरामद कर लिया है। जिसे कब्जे मे लेकर पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती रात थाना कोटद्वार से एसडीआरएफ को सूचना प्राप्त हुई कि दुगड्डा से आगे फतेहपुर बैंड के समीप खाई में एक व्यक्ति का शव दिखाई दे रहा है। सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ पोस्ट कोटद्वार से मुख्य आरक्षी आशीष रावत के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचने के उपरांत टीम ने नोगांव-थलदा के समीप से सड़क मार्ग छोड़कर लगभग 03 किलोमीटर जंगल के दुर्गम रास्ते से होते हुए नदी किनारे तक पहुंच बनाई। एसडीआरएफ क्रार्मिकों द्वारा आवश्यक रेस्क्यू प्रक्रिया अपनाते हुए अज्ञात व्यक्ति के शव को बरामद किया गया तथा उसे जिला पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

169 दिनों से धरने पर बैठे बेरोजगार लैब तकनीशियनों ने भरी हुंकार

हमारे संवाददाता

देहरादून। मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट संघ उत्तराखण्ड के बैनर तले एकता विहार धरना स्थल पर पिछले 169 दिनों से धरने पर बैठे बेरोजगार डिग्रीधारी मेडिकल लैब तकनीशियनों ने एक बार फिर अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरी। संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि शासन के साथ प्रस्तावित वार्ता में मांगों पर निर्णायक फैसले नहीं लिए गए तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा।



संगठन को शासन द्वारा आगामी 6 नवंबर को सेवा नियमावली लागू करने, पदों के सृजन, वर्षवार मेरिट के आधार पर भर्ती, भर्ती में आयु अर्हता पार कर चुके अभ्यर्थियों को एकमुश्त आयु छूट तथा सरकारी लैबों के निजीकरण पर रोक सहित विभिन्न मांगों पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में संगठन के प्रदेश संरक्षक सर्वेश वशिष्ठ ने एकता विहार धरना स्थल पर उपस्थित होकर सभी प्रशिक्षित बेरोजगार मेडिकल लैब तकनीशियनों से एकजुट होकर संघर्ष में सहभागिता करने का आह्वान किया।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष आशीष चंद्र, प्रदेश महासचिव मयंक राणा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीर बिष्ट ने बताया कि इससे पूर्व भी शासन द्वारा वार्ता निर्धारित की गई थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों का हवाला देते हुए उसे निरस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बेरोजगार लैब तकनीशियन लंबे समय से अपनी

◆6 नवंबर को होगी शासन के साथ वार्ता

जायज मांगों को लेकर संघर्षरत हैं और अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस एवं निर्णायक निर्णय चाहते हैं। यदि आगामी वार्ता भी निष्कर्षविहीन रहती है तो आंदोलन को व्यापक एवं उग्र रूप देने के लिए संगठन बाध्य होगा।

प्रदेश महासचिव मयंक राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास कूच एवं "रोजगार शव यात्रा" के बाद मुख्यमंत्री के ओएसडी भुवन रावत द्वारा एकता विहार धरना स्थल पर पहुंचकर मुख्यमंत्री से वार्ता करवाने का लिखित आश्वासन दिया गया था। इस संबंध में उन्हें पुनः अवगत कराया गया है, लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री से वार्ता की कोई तिथि निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि मुख्यमंत्री से वार्ता नहीं होती और शासन द्वारा संगठन की मांगों पर निर्णायक फैसले नहीं लिए जाते, तो राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मेडिकल लैब तकनीशियन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर संगठन के कोषाध्यक्ष देवेंद्र भट्ट, सिद्धार्थ कुकरेती, यमुनेश खंडूरी, रजत नौटियाल, विनोद थपलियाल, डॉली पोखरियाल, तरुणा जगूड़ी, मुकेश सजवान, अखिलेश भट्ट, गौरीशंकर सहित अन्य पदाधिकारी एवं आंदोलनकारी उपस्थित रहे।

खटीमा के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : धामी

◆मुख्यमंत्री ने खटीमा में 14.97 करोड़ रुपये की सड़क चौड़ीकरण परियोजना का किया भूमि पूजन



संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को खटीमा के राणा मार्केट (सितारगंज रोड) में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए खटीमा चौक से थारू विकास भवन तक 14.97 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित मोटर मार्ग चौड़ीकरण कार्य का भूमि पूजन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सड़क के चौड़ीकरण से स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ ही जाम की समस्या को कम करने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने खटीमा की जनता के स्नेह और अपनत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खटीमा से उनका रिश्ता केवल जनप्रतिनिधि के रूप में नहीं, बल्कि मां-बेटे के अटूट रिश्ते जैसा है। यहां की जनता का स्नेह और आशीर्वाद उन्हें निरंतर प्रदेश की सेवा करने की ऊर्जा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खटीमा के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अनेक विकास कार्य किए जा रहे हैं। राजकीय महाविद्यालय में भवन निर्माण, आईटीआई एवं बालिका विद्यालयों के आधुनिकीकरण सहित शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़कों के चौड़ीकरण, पुलों के निर्माण और बस अड्डे जैसी सुविधाओं के विकास से स्थानीय लोगों को लाभ मिल रहा है। इसके साथ ही किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए चीनी मिल के संचालन, गन्ने की समय पर पेराई और भुगतान को प्राथमिकता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। ऑक्सीजन पार्क, क्रोकोडाइल पार्क और धार्मिक स्थलों के विकास से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक सुविधाओं से युक्त नगर बनाना उनकी प्राथमिकता है। क्षेत्र के विकास से जुड़े कार्यों को आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ जारी रखा जाएगा।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री खटीमा चौराहे से कार्यक्रम स्थल तक पैदल पहुंचे। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने जगह-जगह उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, दायित्वधारी श्रीमती मोहिनी पोखरिया, संतोष गौरव, गंभीर सिंह धामी, किशन सिंह, रणजीत सिंह नामधारी, भाजपा नेता सतीश भट्ट, रामू भारती, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कार ने ऑटो को मारी जोरदार टक्कर, महिला की मौत

◆दूसरी का पैर कटा, बच्चों समेत 12 लोग थे सवार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रामनगर में नेशनल हाईवे-309 पर चिल्किया के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने सवारियों से भरे ऑटो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो सड़क पर कई बार पलट गया। हादसे में एक 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि चांदनी नाम की दूसरी महिला का पैर एड़ी के पास से कटकर अलग हो गया। हादसे में कई अन्य लोग भी घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि ऑटो में छोटे बच्चों समेत करीब 12 लोग सवार थे।

जानकारी के अनुसार, रामनगर के खताड़ी निवासी रुखसाना अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ऑटो में सवार होकर पीरूमदारा स्थित आशीर्वाद बैंक्वेट हॉल में शादी समारोह में शामिल होने जा रही थीं। इसी दौरान चिल्किया के पास राइस मिल के नजदीक पीछे से आ रही स्विफ्ट डिजायर कार ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क पर कई बार पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य करते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मृतका के बेटे के अनुसार, ऑटो में छोटे-छोटे बच्चों समेत करीब 12 लोग सवार थे। पीछे से कार की टक्कर लगने के बाद ऑटो कई बार पलटा, जिससे उसमें बैठे लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल के चिकित्सक डॉ. अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि हादसे में घायल पांच लोगों को अस्पताल लाया गया, जिनमें दो की हालत गंभीर है। एक व्यक्ति के सिर में गंभीर चोट आई है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद न्यूरोसर्जन के पास भेजा गया है। वहीं चांदनी नाम की महिला का पैर एड़ी के पास से लगभग पूरी तरह अलग हो गया है। पैर को बचाने के प्रयास में उसे प्लास्टिक सर्जन के पास भेजने की तैयारी की जा रही है। अन्य तीन घायलों को फ्रैक्चर हैं और उनका उपचार किया जा रहा है। कुछ अन्य घायलों का दूसरे अस्पतालों में भी इलाज चल रहा है। वहीं रामनगर कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने सेलाकुई में सीसी सड़क निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

हमारे संवाददाता

देहरादून। सहसपुर विधानसभा क्षेत्र के सेलाकुई में विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने प्रवीण अग्रवाल के आवास से संदीप जायसवाल के आवास होते हुए पुराने पोस्ट ऑफिस, सेलाकुई तक बनने वाली सीसी सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने कहा कि क्षेत्र में सड़क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सड़क के निर्माण से स्थानीय निवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि सहसपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव और नगर क्षेत्र में आवश्यकतानुसार विकास कार्यों को गति दी जा रही है। जनसुविधाओं का विस्तार और नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्रतिबद्धता है। इस अवसर पर अनिल नौटियाल, हर्षवर्धन, नरगिस कश्यप, कल्पना कोहली, मनोज पवार, विनोद पाल, आशुतोष चौहान, रविंद्र रमौला, निखिल गुसाईं, महिपाल बिष्ट सहित अनेक वरिष्ठ एवं कर्मठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देहरादून के 12,500 दिव्यांग मतदाताओं की होगी मतदाता सूची में मैपिंग

संवाददाता

देहरादून। समाज कल्याण विभाग से दिव्यांग पेंशन प्राप्त कर रहे लगभग 12,500 दिव्यांगजनों की मतदाता सूची में मैपिंग की जाएगी। यह कार्य 30 नवंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आगामी विधानसभा निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत जनपद देहरादून में दिव्यांग मतदाताओं की पहचान एवं उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत समाज कल्याण विभाग से दिव्यांग पेंशन प्राप्त कर रहे लगभग 12,500 दिव्यांगजनों की मतदाता सूची में मैपिंग की जाएगी। यह कार्य 30 नवंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला



निर्वाचन अधिकारी द्वारा इस कार्य के प्रभावी संचालन एवं समन्वय के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। समाज कल्याण विभाग द्वारा विशेष अभियान के रूप में दिव्यांगजनों की मतदाता सूची में मैपिंग का कार्य कराया जा रहा है, ताकि आगामी विधानसभा निर्वाचन में प्रत्येक दिव्यांग मतदाता को उसकी आवश्यकतानुसार मतदान संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस संबंध में जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों से अपील की है कि वे अपना दिव्यांगता प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र तथा मोबाइल नंबर संबंधित विकासखंड में तैनात सहायक समाज कल्याण अधिकारी अथवा जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, सर्वे चौक, देहरादून में शीघ्र उपलब्ध करें। उन्होंने बताया कि निर्धारित समयावधि में मैपिंग का कार्य पूर्ण होने से दिव्यांग मतदाताओं की सटीक पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी तथा निर्वाचन के दौरान उनके लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था एवं मतदान प्रक्रिया को अधिक सुगम, सरल और सुलभ बनाने में मदद मिलेगी।

मोबाइल टावर से चोरी केबल के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मोबाइल टावर से चोरी तारों के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार नरेश सिंह, सुपरवाईजर सुरक्षा रॉयल कमाण्ड प्रोटेक्शन ग्रुप नालापानी चौक सहस्त्रधारा रोड देहरादून द्वारा कोतवाली विकासनगर पर लिखित तहरीर दी कि उनकी इडेंस कम्पनी का मोबाईल टावर हरबर्टपुर क्षेत्र में लगा हुआ है, जंहा से चोर द्वारा करीब 80 हजार रुपये के दो रेक्टीफायर तथा केबल चोरी कर लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के अनावरण तथा उसकी गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा कोतवाली विकासनगर पर गठित पुलिस टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये, निर्देशों के अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल तथा आस-पास आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की सहायता से संदिग्धों के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारियां एकत्रित की गई तथा प्राप्त जानकारी के आधार पर सुरागरसी-पतारसी करते हुए तंत्र को सक्रिय किया गया।



पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे प्रयासों से चैकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर बीडीएम स्कूल के पास हरबर्टपुर क्षेत्र से एक संदिग्ध महिला सोनी पत्नी लखिन्दर साहनी को रोककर चैक किया गया तो महिला के कब्जे से उक्त घटना में चोरी किये गये 02 रेक्टीफायर एवं 40 मीटर पावर केबल बरामद हुई, जिस पर महिला को मौके से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में महिला द्वारा बताया गया कि वो कूडा बीनने का कार्य करती है तथा जल्द पैसा कमाने के लालच में उसके द्वारा उक्त मोबाइल टावर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। अभियुक्ता उक्त चोरी किये गये माल को बेचने के फिराक में थी, पर इससे पूर्व ही पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।